२०६. खुषियोमें रहियो या विपदामे रहियो

दोहा : *ये दुनिया है भूलभुलैया भूल न मेहेरनाम*
जीवन का आधार न दूजा आयेगा यही काम

खुषियोमे रहियो या विपदामे रहियो
मेहेरनाम लेतेही रहीयो ॥धृ.॥

सुख हो या दुख हो आवे और जावे
राजा हो रंक भी बच नही पावे
दुनियाके मेलेमे भटक न जावे
दुनियामे रहकर न दुनिया का रहियो ॥१॥

Scanned by CamScanner

इस तनको कितना रखियो सम्हलके
एक दिन तो तजना है सौ साल जी के
डरना नही सत्य कहना गरजके
ये प्राण जईयो ये प्राण रहियो ॥२॥

तुझको मिला है रे सतका खजाना
फैलादे प्रेम जो जागे जमाना
ये काम करते ही जीवन मिटाना
समझे न समझे कोई कहते रहियो ॥३॥

ग्यानी और वीरोंकी निंदिया उडेगी
मेहेर बिना नही बिगडी बनेगी
मधुसूदन सारी दुनिया झुकेगी
मेहेरकी महिमाको गाते ही रहियो ॥४॥

Scanned by CamScanner